# RNA : Real News Analysis

# DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
28
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

# अश्लील सामग्री / Obscene Content

**संदर्भ:**

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कथित रूप से अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने के आरोप में कम से कम 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की वेबसाइटों और ऐप्स को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। यह कदम देश में डिजिटल सामग्री की निगरानी और नियंत्रण के तहत उठाया गया है, जिससे ऑनलाइन माध्यमों पर फैल रही अनैतिक सामग्री पर लगाम लगाई जा सके।

**अश्लीलता में वृद्धि के कारण:**

1. **डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का तीव्र विस्तार:** ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया और वीडियो शेयरिंग वेबसाइट्स के तेजी से बढ़ने के कारण आपत्तिजनक सामग्री तक पहुंच और उसका प्रसार बेहद आसान हो गया है।
2. **ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर पूर्व-जांच का अभाव:** पारंपरिक फिल्मों के विपरीत, ओटीटी पर प्रसारित सामग्री किसी पूर्व प्रमाणन या सेंसरशिप से नहीं गुजरती, जिससे रचनाकार पारंपरिक नियंत्रणों को दरकिनार कर सकते हैं।
3. **सामग्री विनियमन तंत्र की कमजोरी:** स्व-नियामक ढांचे अक्सर प्रभावी क्रियान्वयन में असफल रहते हैं, परिणामस्वरूप अश्लील सामग्री का अनियंत्रित प्रकाशन होता है।
4. **गोपनीयता और एन्क्रिप्शन तकनीकों का दुरुपयोग:** कई उपयोगकर्ता एन्क्रिप्टेड एप्स और गुमनाम ब्राउज़िंग टूल्स का उपयोग करके आपत्तिजनक सामग्री साझा करते हैं या देखते हैं, जिससे वे कानूनी निगरानी से बच जाते हैं।

**भारत में बढ़ती अश्लीलता के प्रभाव:**

1. **सामाजिक नैतिकता पर प्रभाव:** डिजिटल मीडिया में अश्लील सामग्री की बढ़ती उपलब्धता सार्वजनिक नैतिकता को प्रभावित करती है, विशेष रूप से बच्चों और युवाओं जैसे संवेदनशील वर्गों पर इसका गहरा असर पड़ता है।
2. **साइबर अपराध और शोषण में वृद्धि:** ऑनलाइन अश्लीलता में वृद्धि के कारण साइबरबुलिंग, यौन उत्पीड़न और मानव तस्करी जैसे अपराधों को बढ़ावा मिलता है। इससे महिलाओं और बच्चों का शोषण आसान हो जाता है।
3. **विनियामक तंत्र के लिए चुनौती:** सूचना प्रौद्योगिकी नियमों (IT Rules) के बावजूद, तकनीकी उपायों जैसे VPN और मिरर साइट्स के माध्यम से नियमों से बच निकलना आसान हो गया है, जिससे इन कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन एक बड़ी चुनौती बन गया है।
4. **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम सार्वजनिक शालीनता:** अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक शालीनता के बीच संतुलन बनाना आज भी एक विवादास्पद और जटिल विषय बना हुआ है।

**भारत में अश्लीलता से संबंधित कानूनी ढांचा:**

1. **सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000:**
   - **धारा 67**: इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से अश्लील सामग्री के प्रकाशन या प्रसारण को दंडनीय अपराध घोषित करता है।
   - **धारा 67A**: विशेष रूप से यौन रूप से स्पष्ट सामग्री (sexually explicit content) के प्रकाशन या प्रसारण के लिए दंड का प्रावधान करता है।
2. **भारतीय न्याय संहिता 2023**
   - **धारा 294** (पूर्व में आईपीसी, 1860 की धारा 292): अश्लील सामग्री की बिक्री या वितरण, जिसमें डिजिटल सामग्री भी शामिल है, को प्रतिबंधित करता है।
3. **महिलाओं के अश्लील प्रतिनिधित्व (निषेध) अधिनियम, 1986**
   - **धारा 4**: ऐसे किसी भी विज्ञापन या प्रकाशन पर रोक लगाता है जो महिलाओं को अशोभनीय ढंग से प्रस्तुत करता है।
4. **सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 (IT Rules, 2021)**
   - ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को एक **आचार संहिता (Code of Ethics)** का पालन करना अनिवार्य बनाया गया है।
   - एक **तीन-स्तरीय शिकायत निवारण प्रणाली** (Three-tier grievance redressal mechanism) स्थापित की गई है।
   - एक **स्व-नियामक संस्था** – *डिजिटल प्रकाशक सामग्री शिकायत परिषद (Digital Publisher Content Grievances Council - DPCGC)* का गठन किया गया है, जिसका नेतृत्व सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करते हैं।

# फ्रांस, फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता / France will recognizes Palestine as an independent nation

**संदर्भ:**

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वैश्विक राजनीति में एक बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की है कि उनका देश सितंबर में फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में आधिकारिक मान्यता देगा।

**142 देशों ने फिलिस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में दी मान्यता:**

- संयुक्त राष्ट्र (UN) के 193 सदस्य देशों में से अब तक कम से कम **142 देशों** ने फिलिस्तीन को एक **स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र** के रूप में मान्यता दे दी है या ऐसा करने की योजना बना चुके हैं।
- हालांकि, **संयुक्त राज्य अमेरिका**, **यूनाइटेड किंगडम**, और **जर्मनी** जैसे कुछ प्रभावशाली पश्चिमी राष्ट्र अब भी इस मान्यता से **इन्कार** कर रहे हैं।

**फ्रांस द्वारा फिलिस्तीन को मान्यता:**

1. **प्रतीकात्मक मान्यता:** वेस्ट बैंक, गाज़ा पट्टी और पूर्वी यरुशलम जैसे क्षेत्र अब भी इज़राइली नियंत्रण में हैं, इसलिए यह मान्यता मुख्यत: प्रतीकात्मक है।
2. **फ्रांस का महत्व:** फ्रांस में यूरोप की सबसे बड़ी यहूदी और मुस्लिम आबादी रहती है। ऐसे में यह कदम केवल कूटनीतिक नहीं, सामाजिक और राजनीतिक संदेश भी देता है।
3. **वैश्विक समर्थन में विस्तार:** यह निर्णय अब तक इज़राइल आलोचक सीमित देशों तक सिमटे समर्थन को व्यापक अंतरराष्ट्रीय स्वरूप दे सकता है।
4. **इज़राइल का अंतरराष्ट्रीय अलगाव:** गाज़ा में "मानव निर्मित भुखमरी" जैसे संकट ने इज़राइल को वैश्विक आलोचना के घेरे में ला दिया है, जिसे यह कदम और उजागर करता है।
5. **दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन:** राष्ट्रपति मैक्रों का उद्देश्य दो-राष्ट्र समाधान की अवधारणा को जीवित रखना है, भले ही उस पर भारी दबाव हो।
6. **रणनीतिक समय-निर्धारण:** यह निर्णय आगामी UN सम्मेलन से ठीक पहले लिया गया है, जिसे फ्रांस-सऊदी अरब संयुक्त रूप से आयोजित करने वाले हैं—दूसरे देशों को प्रेरित करने की मंशा।
7. **घरेलू राजनीतिक उद्देश्य:** 2027 में कार्यकाल पूरा करने वाले मैक्रों, 2033 के चुनावों की तैयारी में हैं। मुस्लिम समुदाय (13% आबादी) का समर्थन प्राप्त करने की रणनीति।

**हमास और इज़राइल के बीच वर्तमान संघर्ष की जड़ें**

**फिलिस्तीन का विभाजन**

- द्वितीय विश्व युद्ध (WWII) के दौरान बड़ी संख्या में यहूदी फिलिस्तीन में आकर बस गए और स्वतंत्र यहूदी राष्ट्र की मांग करने लगे।
- **1947 में संयुक्त राष्ट्र (UN)** ने फिलिस्तीन को **यहूदियों और अरबों के बीच विभाजित** करने का प्रस्ताव रखा।
  - यहूदियों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए **1948 में इज़राइल की स्वतंत्रता की घोषणा** कर दी।
  - अरब देशों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिससे अरब-इज़राइल के बीच **चार प्रमुख युद्ध** हुए।

**1978 कैम्प डेविड समझौता और इज़राइल की मान्यता:**

- **1973 का यौम किप्पुर (Yom Kippur) या रमजान युद्ध** चौथा अरब-इज़राइल युद्ध था, जिसमें मिस्र और सीरिया के नेतृत्व में अरब देशों ने इज़राइल से लड़ाई की।
- इस युद्ध के परिणामस्वरूप **1978 में कैम्प डेविड समझौते** पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें पहली बार किसी **अरब देश (मिस्र)** ने **इज़राइल को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता** दी।
- इसके बदले में **इज़राइल ने सीनाई प्रायद्वीप** मिस्र को लौटा दिया।

**1993 ओस्लो समझौता और हमास का विरोध:**

- **1993 में हुए ओस्लो समझौते** के अंतर्गत **PLO (पैलेस्टाइन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन)** ने आधिकारिक रूप से **इज़राइल को मान्यता** दी, और बदले में इज़राइल ने गाजा और वेस्ट बैंक में **सीमित स्वशासन** की अनुमति दी।
- लेकिन **हमास**, एक उग्रपंथी संगठन, ने इस समझौते का **विरोध किया** और वह आज भी **इज़राइल की राज्य सत्ता को मान्यता नहीं देता**।
- **PLO**, जिसकी स्थापना **1964** में हुई थी, संयुक्त राष्ट्र में **'गैर-सदस्य पर्यवेक्षक राज्य'** के रूप में **फिलिस्तीन का प्रतिनिधित्व** करता है।
- दूसरी ओर, **हमास गाजा पट्टी (Gaza Strip)** में **राजनीतिक और सैन्य नियंत्रण** रखता है

# भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली / Indian Regional Navigation Satellite System

**संदर्भ:**

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) 2026 तक भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट प्रणाली (IRNSS) को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन और नेविगेशन उपग्रह – NVS-03, NVS-04 और NVS-05 – प्रक्षेपित करेगा। यह कदम देश की स्वदेशी नेविगेशन क्षमताओं को और अधिक सटीक, विश्वसनीय और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

## भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (IRNSS/NavIC):

1. **परिचय:** भारतीय क्षेत्रीय नौवहन उपग्रह प्रणाली (IRNSS) भारत की स्वतंत्र क्षेत्रीय उपग्रह-आधारित नौवहन प्रणाली है, जिसे NavIC (Navigation with Indian Constellation) के नाम से भी जाना जाता है। इसका विकास **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** द्वारा किया गया है।
2. **उद्देश्य और कार्य प्रणाली:** IRNSS का उद्देश्य एक **क्षेत्रीय नौवहन प्रणाली** की स्थापना करना है, जिसमें **जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट (GSO)** और **जियोस्टेशनरी ऑर्बिट (GEO)** में स्थापित उपग्रहों का संयोजन तथा अत्याधुनिक **भूमि आधारित प्रणालियाँ** शामिल हैं।
3. **कवरेज क्षेत्र:** यह प्रणाली **भारत** और इसके सीमावर्ती क्षेत्रों (लगभग **1500 किमी की परिधि**) में उपयोगकर्ताओं को **सटीक स्थिति निर्धारण सेवाएं** प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है।
4. **NavIC नेटवर्क संरचना:**
   - NavIC प्रणाली में **सात उपग्रहों** का एक समूह (constellation) और **24x7 संचालन करने वाला भूमि-आधारित नेटवर्क** शामिल है।
   - इनमें से **तीन उपग्रह GSO (Geosynchronous Orbit)** में और **चार उपग्रह GEO (Inclined Geostationary Orbit)** में स्थित हैं।
5. **प्रदान की जाने वाली सेवाएं:** IRNSS-NavIC दो प्रकार की सेवाएं प्रदान करता है:
   - **मानक स्थिति निर्धारण सेवा (Standard Positioning Service - SPS)**: यह सेवा **सभी उपयोगकर्ताओं** के लिए उपलब्ध है।
   - **प्रतिबंधित सेवा (Restricted Service - RS)**: यह एक **एन्क्रिप्टेड सेवा** है, जो केवल **प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं** को उपलब्ध कराई जाती है।
6. **अन्य वैश्विक नौवहन प्रणालियों के साथ इंटरऑपरेबिलिटी:** NavIC की SPS सेवा को अन्य वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणालियों जैसे GPS (USA), GLONASS (Russia), Galileo (EU), और BeiDou (China) के सिग्नलों के साथ इंटरऑपरेट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

## NVS श्रृंखला: NavIC की दूसरी पीढ़ी के उपग्रह

1. **परिचय: NVS श्रृंखला** (NVS-01 से NVS-05 तक) NavIC प्रणाली के **दूसरी पीढ़ी के पांच उपग्रहों** का समूह है, जिन्हें मौजूदा NavIC तारामंडल (constellation) को और अधिक सशक्त बनाने के लिए विकसित किया गया है।
2. **प्रमुख विशेषताएं**
   - इन उपग्रहों में **L1 बैंड संचार प्रणाली** शामिल की गई है, जो NavIC की **अनुप्रयोग-क्षमता और अंतरसंगतता (interoperability)** को अन्य वैश्विक नौवहन प्रणालियों के साथ बढ़ाती है।
   - यह तकनीक NavIC को **स्मार्टफोन, वाहन ट्रैकिंग, सिविल एविएशन और उपभोक्ता उपकरणों** में और अधिक उपयोगी बनाती है।
3. **NVS-01**
   - यह श्रृंखला का पहला उपग्रह था, जिसे **2023** में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।
   - इस उपग्रह में पहली बार **स्वदेशी परमाणु घड़ी (indigenous atomic clock)** का उपयोग किया गया, जो भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।
4. **NVS-02**
   - **जनवरी 2025** में लॉन्च किया गया यह दूसरा उपग्रह है, जो NavIC के कवरेज और सेवा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने में योगदान देगा।

# समुद्री वित्तपोषण शिखर सम्मेलन 2025 / Maritime Financing Summit 2025

**संदर्भ:**

मैरिटाइम फाइनेंसिंग समिट 2025 के दौरान बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoPSW) ने 'मैरीटाइम अमृत काल विज़न (MAKV) 2047' के तहत भारत को एक वैश्विक समुद्री हब के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी पहलों की घोषणा की। ये पहल भारत की समुद्री अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और लॉजिस्टिक्स में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम मानी जा रही हैं।

**समुद्री अमृत काल विजन (Maritime Amrit Kaal Vision - MAKV)**

**उद्देश्य:** MAKV का उद्देश्य भारत को विश्व की **प्रमुख समुद्री शक्तियों** में स्थान दिलाना है। इसके तहत **जहाज निर्माण**, **बंदरगाह अवसंरचना** और **वित्तीय मजबूती** को सशक्त करने पर बल दिया गया है।

**मुख्य लक्ष्य:**

- **दृढ़, कुशल और टिकाऊ समुद्री आपूर्ति श्रृंखलाएं** विकसित करना।
- **ब्लू इकोनॉमी** (Blue Economy) को बढ़ावा देना।
- **स्वदेशी जहाज निर्माण** और **नौवहन सेवाओं** को आत्मनिर्भर बनाना।

**प्रमुख घोषणाएं और सुधार**

**1. परिचालन दक्षता में सुधार**

- बंदरगाहों पर **Turnaround Time** घटाकर 4 दिन से **1 दिन से भी कम** किया गया।
- **कंटेनर क्षमता** में **70% की वृद्धि** हुई।
- **तटीय और अंतर्देशीय जलमार्गों** से कार्गो परिवहन में कई गुना वृद्धि हुई।

**2. नीति एवं निवेश सुधार**

- **शिपिंग में 100% एफडीआई** (स्वचालित मार्ग से) की अनुमति।
- **GIFT सिटी IFSC** को **जहाज पट्टे (leasing)** और **वित्तपोषण** के लिए सक्षम बनाया गया।
- **बड़े जहाजों** को **इन्फ्रास्ट्रक्चर संपत्ति** के रूप में मान्यता।
- **Bills of Lading Bill, 2025** पारित – समुद्री दस्तावेज़ों को सरल बनाने हेतु।

**3. Maritime Development Fund (MDF)**

**घोषणा:** वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में की गई।

**उद्देश्य:**

- पूंजी लागत को कम करना।
- जहाज निर्माण, तटीय अवसंरचना, और अंतर्देशीय जलमार्गों में दीर्घकालिक निवेश को आकर्षित करना।

**Maritime Development Fund (MDF)**

- **उद्देश्य:** भारतीय ध्वज वाले जहाजों की संख्या बढ़ाकर **भारत के समुद्री बेड़े** को सशक्त बनाना।
- **प्रारंभिक कोष:** ₹25,000 करोड़
  - 49% योगदान: सरकार
  - शेष: बंदरगाह प्राधिकरण, सार्वजनिक उपक्रम, वित्तीय संस्थाएं, और निजी क्षेत्र
- **रणनीतिक लक्ष्य:**
  - **2047 तक वैश्विक कार्गो परिवहन में भारत की भागीदारी 20%** करना।
  - **विदेशी जहाजों पर निर्भरता** कम करना।
- **आर्थिक प्रभाव:**
  - **शिपिंग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता** को बढ़ावा।
  - **विदेशी मुद्रा बचत** और **रणनीतिक हितों की सुरक्षा**।
- **निवेश लक्ष्य: 2030 तक ₹1.5 लाख करोड़ का निवेश** आकर्षित करना।

**डिजिटल और वित्तीय नवाचार: Financial Digital Maturity Matrix (FDMM)** की शुरुआत –

- बंदरगाहों की **डिजिटल वित्तीय क्षमताओं का मूल्यांकन**।
- **बुनियादी ढांचे को निवेश के लिए तैयार** बनाना।

**जहाज निर्माण विस्तार: ग्रीनफील्ड (Greenfield)** और **ब्राउनफील्ड (Brownfield)** दोनों प्रकार के **जहाज निर्माण क्लस्टर्स** का विकास।

**भारत का समुद्री क्षेत्र:**

- भारत का **लगभग 95% व्यापार मात्रा** और **70% व्यापार मूल्य** समुद्र मार्ग से होता है।
- देश में **12 प्रमुख** और **200+ छोटे/मध्यम बंदरगाह** कार्यरत हैं।
- **FY 2024 में 819.22 मिलियन टन कार्गो** का संचालन – **वर्ष दर वर्ष 4.45% की वृद्धि**।
- तटीय क्षेत्र की **40 लाख+ मछुआरा और समुद्री आबादी** पर निर्भरता।

## पुनर्गठित मिशन वात्सल्य पोर्टल / RMVP

**संदर्भ:**

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बच्चों की संरक्षण सेवाओं से जुड़े सभी हितधारकों के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में पुन: विकसित **मिशन वात्सल्य पोर्टल** का शुभारंभ किया है। यह पोर्टल बाल संरक्षण तंत्र को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

**पुनर्गठित मिशन वात्सल्य पोर्टल (Revamped Mission Vatsalya Portal):**

**परिचय:**

**मिशन वात्सल्य पोर्टल** एक **एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म** है, जिसे **राज्य और जिला स्तर** पर विभिन्न हितधारकों (stakeholders) के लिए कार्य को डिजिटल रूप से संचालित करने हेतु विकसित किया गया है।

**पूर्ववर्ती सेवाओं का समावेश:**

पहले अलग-अलग कार्यरत **"खोया-पाया (Khoya-Paya)"** और **"TrackChild"** सेवाओं को अब इस **एकीकृत पोर्टल** में सम्मिलित कर दिया गया है।

**मुख्य विशेषताएं:**

1. **एकल डिजिटल मंच (Single Digital Platform):** यह पोर्टल बाल संरक्षण प्रणाली से जुड़े सभी हितधारकों को एक ही मंच पर लाता है ताकि **समन्वित और पारदर्शी कार्य प्रणाली** सुनिश्चित हो सके।
2. **राज्य स्तर पर उपयोगकर्ता:**
    - **State Child Protection Society (राज्य बाल संरक्षण समिति)**
    - **State Adoption Resource Agency (राज्य दत्तक संसाधन एजेंसी)**
3. **जिला स्तर पर उपयोगकर्ता:**
    - **District Child Protection Unit (जिला बाल संरक्षण इकाई)**
    - **Child Welfare Committee (बाल कल्याण समिति)**
    - **Juvenile Justice Board (किशोर न्याय बोर्ड)**
    - **Special Juvenile Police Unit (विशेष किशोर पुलिस इकाई)**
    - **Child Care Institutions (बाल देखभाल संस्थान)**

## तंबाकू महामारी / Tobacco Epidemic

**संदर्भ:**

द लैंसेट की एक समीक्षा में यह ज़ोर दिया गया है कि महिलाओं में तंबाकू सेवन और उससे जुड़ी बीमारियों की बढ़ती संवेदनशीलता को देखते हुए **विशेष शोध और नीतिगत बदलावों की तत्काल आवश्यकता** है। रिपोर्ट के अनुसार, महिलाएं विशेष रूप से **सेकंड-हैंड स्मोक** के खतरे की चपेट में आ रही हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

**मुख्य निष्कर्ष (Major Findings):**

- **तंबाकू सेवन के खतरों** के बारे में 1950 के दशक से जानकारी उपलब्ध है, फिर भी तंबाकू उद्योग लगातार अपने उत्पादों को बढ़ावा देता आ रहा है, जिससे **वैश्विक रोग बोझ (Global Disease Burden)** में वृद्धि हो रही है।
- **वर्ष 2021 में ही**, लगभग **7.3 मिलियन (73 लाख)** लोगों की मृत्यु **तंबाकू से संबंधित बीमारियों** के कारण हुई।
- **धूम्रपान (Smoking)**,
    - लगभग **30% क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD)** मौतों का **मुख्य कारण** है।
    - यह **फेफड़ों के कैंसर** से होने वाली **लगभग 50% मौतों** के लिए भी जिम्मेदार है।
- **महिलाएं** विशेष रूप से **पैसिव स्मोकिंग (Second-Hand Smoking)** के प्रति अधिक संवेदनशील हैं।
    - **द्वितीयक धूम्रपान से होने वाली मौतों का 64% से अधिक** महिलाओं में देखा गया है।

**नीतिगत प्रयास:**

- **सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA)**
- **राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (National Tobacco Control Programme)**

इन दोनों नीतियों ने तंबाकू उपयोग में कमी लाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

**चुनौतियाँ (Persistent Challenges):**

- हालांकि कई प्रयास किए गए हैं, लेकिन **लैंगिक-विशिष्ट सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों** के कारण प्रभावी नियंत्रण में अब भी **कई बाधाएं** बनी हुई हैं।

## AI उपग्रह / AI Satellites

**संदर्भ:**

नासा एक नई एआई-सक्षम सैटेलाइट प्रणाली **डायनामिक टार्गेटिंग** का परीक्षण कर रहा है, जो उपग्रहों को कक्षा में **पृथ्वी से निर्देशों की प्रतीक्षा किए बिना स्वत: निर्णय लेने** में सक्षम बनाती है। यह तकनीक अंतरिक्ष अभियानों को अधिक तेज़, सटीक और स्वायत्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति मानी जा रही है।

**डायनेमिक टारगेटिंग (Dynamic Targeting) क्या है?**

**डायनेमिक टारगेटिंग** नासा (NASA) की एक पहल है, जिसका उद्देश्य उपग्रहों को **ऑनबोर्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)** से सुसज्जित करना है। यह एआई प्रणाली उपग्रहों को निम्नलिखित कार्यों में सक्षम बनाती है:

- **आगामी भू-भाग का रीयल-टाइम में स्कैन** करना।
- **उपयोगी डेटा की पहचान** करना (जैसे - बादलों से मुक्त चित्र)।
- यह **स्वतंत्र रूप से निर्णय** ले सकती है कि तस्वीर लेना है या नहीं।
- बिना पृथ्वी से निर्देश प्राप्त किए, **स्वत: प्रतिक्रिया** कर सकती है।

**महत्व:**

- **डेटा की बर्बादी में कमी:** अनुपयोगी चित्रों को लेने से बचा जा सकता है।
- **ऊर्जा और संसाधनों की बचत:** अनुपयोगी डेटा को प्रोसेस और ट्रांसमिट करने में समय, ऊर्जा और संसाधनों की हानि होती है।
- **एआई का लाभ:**
  - **स्टोरेज और बैंडविड्थ की आवश्यकता घटती है।**
  - **केवल उपयोगी डेटा का चयन और प्रसारण संभव होता है।**
  - **मानव विश्लेषकों को कम-मूल्य वाले डेटा से मुक्ति मिलती है।**

**रणनीतिक उपयोग:**

- **जंगल में आग, ज्वालामुखी गतिविधि,** और **थर्मल विसंगतियों** का पता लगाना।
- **तूफानों के पैटर्न, जलवायु परिवर्तन,** और **आपदा प्रभावित क्षेत्रों** की निगरानी।
- **स्वायत्त प्रतिक्रिया प्रणाली** को सक्षम बनाना, जिससे **अर्ली वार्निंग सिस्टम** (early warning systems) बेहतर बन सकें।

## ईरान-E3 परमाणु वार्ता / Iran-E3 Nuclear Talks

**संदर्भ:**

संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों की धमकियों और अमेरिका-इज़राइल के हमलों के बीच, ईरान ने इस्तांबुल में **E3 देशों (ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी)** के साथ **खुले परमाणु वार्तालाप** किए।

**E3 के साथ ईरान की वार्ता पर विवरण:**

**संघर्ष के बाद पहली उच्च-स्तरीय बैठक:**

- जून 2025 में **ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच हुए संघर्ष** के बाद, इस्तांबुल में हुई यह बैठक **ईरान और E3 (ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी)** के बीच पहली औपचारिक कूटनीतिक बातचीत थी।

**मुख्य मुद्दे जिन पर चर्चा हुई:**

- **प्रतिबंधों से राहत (Sanctions Relief)**
- **ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम (Uranium Enrichment Program)**
- **JCPOA (Joint Comprehensive Plan of Action) के तहत 'स्नैपबैक मैकेनिज्म'** के संभावित लागू होने पर चर्चा

**स्नैपबैक मैकेनिज्म क्या है?**

- यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके तहत **ईरान द्वारा परमाणु समझौते के उल्लंघन पर तुरंत संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध पुन: लागू किए जा सकते हैं,**
- इसमें **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो शक्ति को दरकिनार किया जा सकता है।**

**ईरान की स्थिति:**

- ईरान ने **शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए यूरेनियम संवर्धन के अपने अधिकार को गैर-परक्राम्य (non-negotiable)** बताया।
- ईरान ने हालिया संघर्ष और 'स्नैपबैक' की धमकियों को लेकर **E3 के रुख की आलोचना** की।

**आगे की योजना:**

- दोनों पक्षों ने **वार्ता जारी रखने और आगे परामर्श करने पर सहमति व्यक्त की है।**

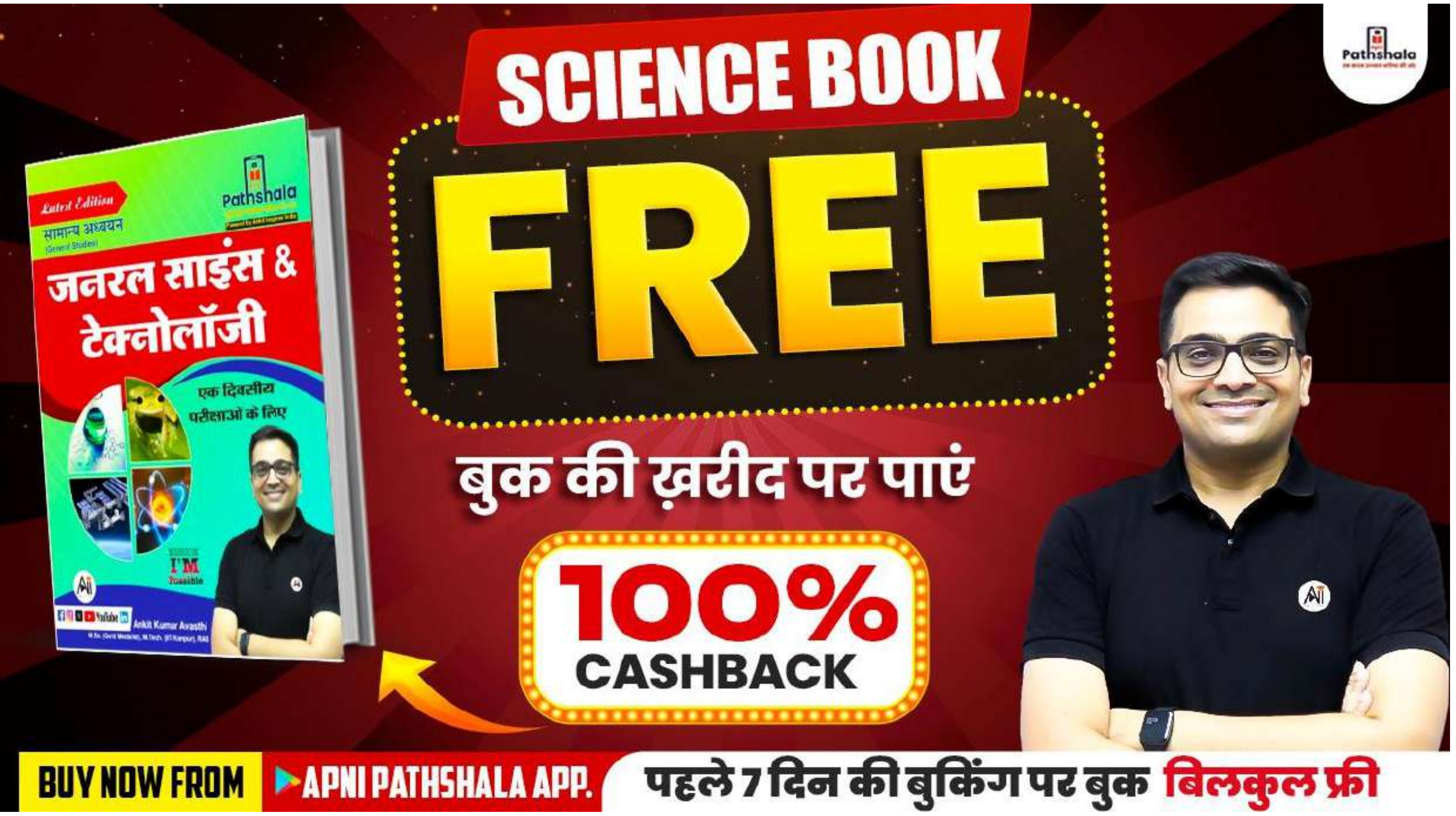
Pathshala
SCIENCE BOOK
FREE
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
Pathshala
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
I'M Possible
Ankit Kumar Avasthi
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

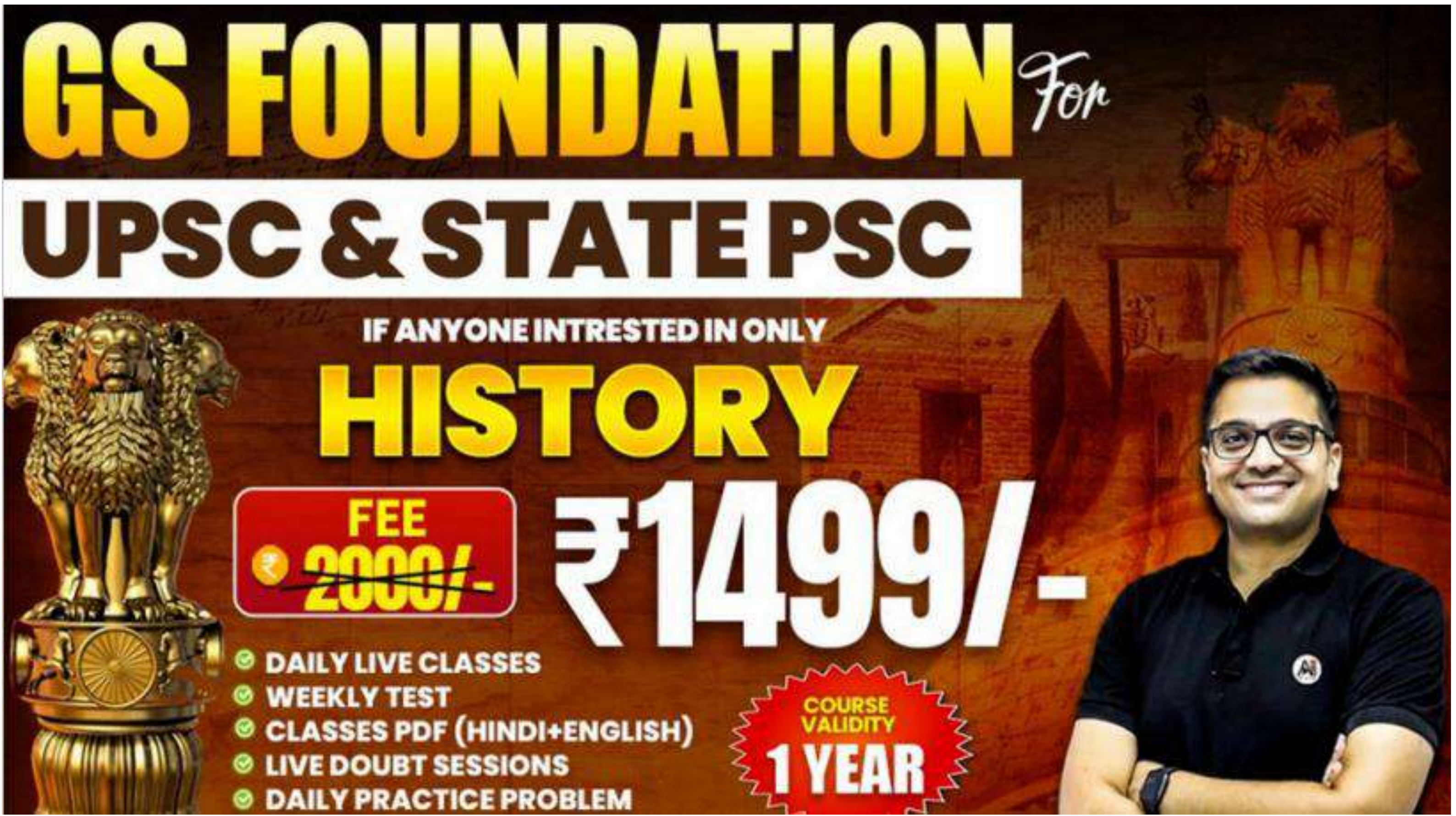
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का
सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

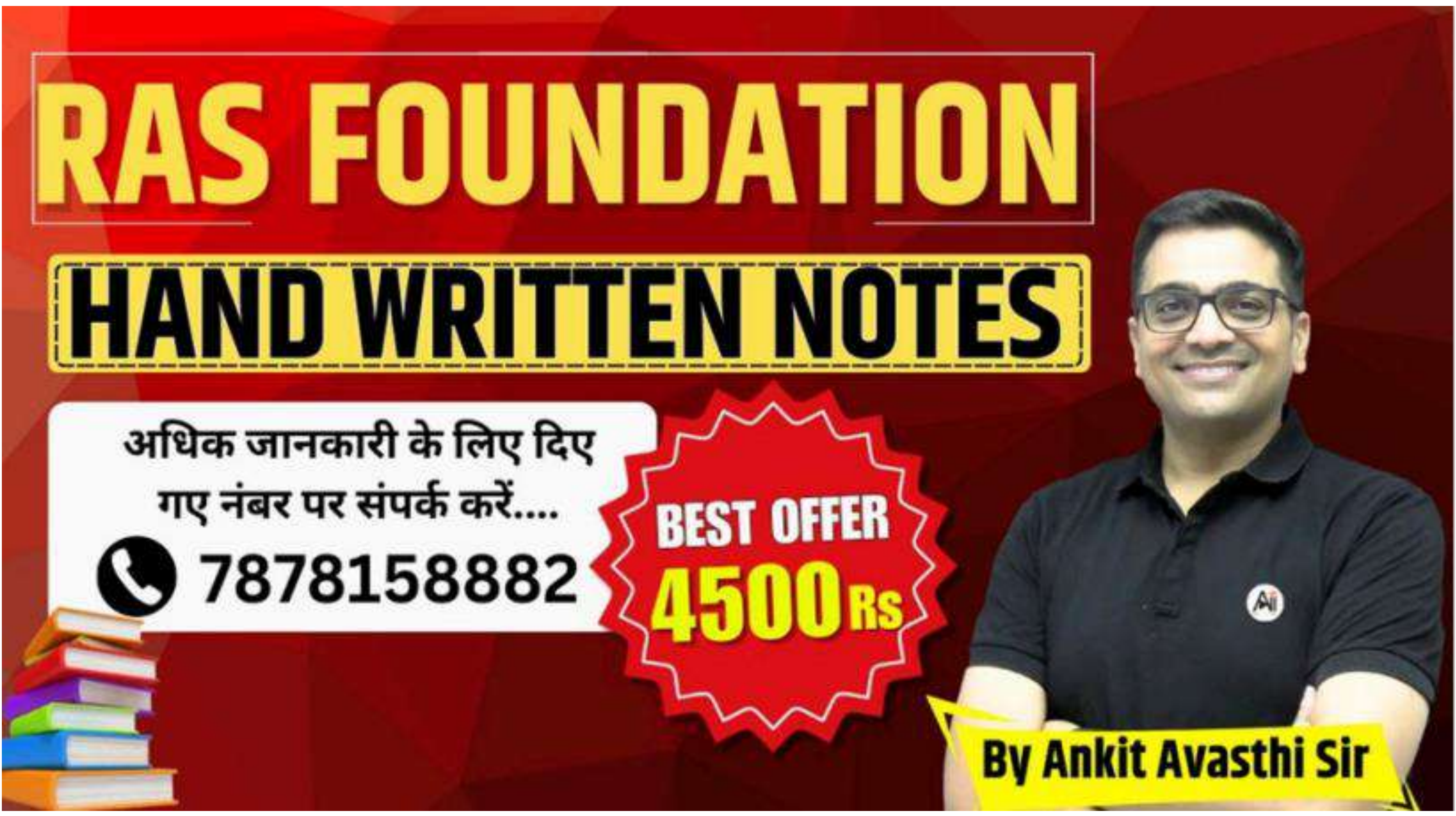
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
BBK
Baaten Bazaar ki
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
COUPON CODE
ANKIT500
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

नई संस्करण
जी.ए फाउंडेशन
हैंडरिटन नोट्स
लॉन्च हो चुके हैं..
अभी खरीदें -
1999/-
(नियम और शर्तें लागू)
और पाएं साइंस की बुक फ्री (7 दिन तक)
भूगोल-I
भूगोल-II
इतिहास-I
इतिहास-II
अर्थव्यवस्था
भारतीय राजव्यवस्था
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
Pathshala

# CALL CENTRE

**HOW MAY I HELP YOU**

# 7878158882

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: